DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 September, 2023

शांतिनिकेतन को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया

सन्दर्भ: दिवंगत नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के घर शांतिनिकेतन को हाल ही में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया है।

- शांतिनिकेतन के नाम का अर्थ है **"शांति का निवास"** और मूल रूप से इसे **"भुबंदंगा"** कहा जाता था, जिसका नाम भुबन नामक एक स्थानीय डाकू के नाम पर रखा गया था।
- पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित, इसकी स्थापना रवीन्द्रनाथ टैगोर के पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर ने की थी।
- बाद में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे एक विश्वविद्यालय में बदल दिया, जिसे विश्व-भारती विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है, इसकी शुरुआत ब्रह्मचर्य आश्रम के रूप में हुई।
- यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने की सिफारिश वैश्विक वास्तुशिल्प और विरासत संरक्षण के लिए समर्पित संगठन, इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS- फ्रांस में अवस्थित) द्वारा की गयी थी।

रवीन्द्रनाथ टैगोर का योगदान

- **साहित्यिक और कलात्मक योगदान:**
  - इन्होंने भारत और बांग्लादेश का राष्ट्रगान लिखा।
  - आधुनिक राष्ट्रवाद की शुरुआत की और 2000 से अधिक पेंटिंग बनाकर कला पर अपना महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा।
  - उन्होंने अपनी कलाकृति के लिए यूरोपीय कला और प्राचीन आदिम संस्कृतियों में अभिव्यक्तिवाद से प्रेरणा ली।
  - ये 1913 में अपने कविता संग्रह **'गीतांजलि'** के लिए **साहित्य में नोबेल पुरस्कार** पाने वाले **पहले भारतीय** बने।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - इन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आलोचना की, लेकिन गांधी के असहयोग आंदोलन पर सूक्ष्म विचार रखे।
  - टैगोर ने भारतीय राष्ट्रवादियों के लिए समर्थन व्यक्त किया और **'आमार सोनार बांग्ला'** जैसे देशभक्ति गीत लिखे।
  - 1905 के बंगाल विभाजन के बाद उन्होंने बंगालियों को एकजुट करने के लिए **'बांग्लार माटी बांग्लार जोल'** की रचना की।
  - हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देने के लिए **राखी उत्सव** की शुरुआत की।
  - 1915 में अंग्रेजों द्वारा **अमृतसर नरसंहार** के विरोध में अपनी **नाइटहुड का त्याग** कर दिया।
  - उपनिवेशवाद विरोधी साधन के रूप में पश्चिमी संस्कृति के सर्वोत्तम पहलुओं को भारतीय संस्कृति में शामिल करने की वकालत की।

विश्व विरासत स्थल:

- विश्व विरासत स्थल; अपने असाधारण सांस्कृतिक या भौतिक महत्व के लिए यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्थान है, इन स्थलों की सूची यूनेस्को विश्व विरासत समिति की देखरेख में अंतरराष्ट्रीय **'विश्व विरासत कार्यक्रम'** द्वारा प्रबंधित किया जाता है।
- यूनेस्को विश्व धरोहर समिति में यूनेस्को के 21 सदस्य देश शामिल हैं, जो महासभा द्वारा चुने जाते हैं।
- यूनेस्को, जो संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के लिए प्रतिबद्ध है, का उद्देश्य दुनिया भर में मानवता के लिए असाधारण मूल्य के रूप में मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की पहचान, सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ावा देना है।
- यह मिशन 1972 में यूनेस्को द्वारा अपनाए गए विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन के रूप में ज्ञात एक अंतरराष्ट्रीय समझौते में निहित है।

किसी साइट का चयन कैसे किया जाता है?

- विश्व धरोहर सूची करण प्रक्रिया के पहले चरण में किसी देश की सरकार द्वारा किसी स्थल को नामांकित करना होता है।
- नामांकन के लिए पात्र होने के लिए, साइट के पास उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य (ओयूवी) होना चाहिए।
- ओयूवी का आकलन करने के लिए दस मानदंड स्थापित किए गए हैं, और नामांकन को इनमें से कम से कम एक मानदंड को पूरा करना होगा।
- स्मारकों और स्थलों पर अंतर्राष्ट्रीय परिषद और विश्व संरक्षण संघ इस नामांकन फ़ाइल का मूल्यांकन करते हैं।
- उनकी सिफारिशों के आधार पर, विश्व धरोहर समिति यह तय करने के लिए वार्षिक बैठक करती है, कि नामांकित संपत्तियों को विश्व धरोहर सूची में जोड़ा जाए या नहीं।
- कभी-कभी, समिति नामांकित देश से अतिरिक्त जानकारी का अनुरोध करने का निर्णय टाल देती है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

सन्दर्भ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर नई दिल्ली में पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्घाटन किया।

योजना के उद्देश्य

- कारीगरों और शिल्पकारों को विश्वकर्मा के रूप में मान्यता प्रदान करना, उन्हें सभी योजनाओं के लाभों तक पहुंचने में सक्षम बनाना।
- कौशल विकास कार्यक्रमों और प्रशिक्षण अवसरों के माध्यम से कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल को बढ़ाना।
- उत्पादकता और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के लिए आधुनिक उपकरण और नवाचार उपलब्ध कराना।
- संपार्श्विक-मुक्त ऋण तक पहुंच की सुविधा प्रदान करना और ब्याज सहायता के माध्यम से ऋण लागत को कम करना।
- डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों के बीच डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करना।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- नए विकास के अवसरों का पता लगाने में मदद करने के लिए ब्रांड प्रचार और बाजार कनेक्शन के लिए एक मंच बनाना।

योजना के लाभ

- **मान्यता:**
  - कारीगरों को प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड के माध्यम से विश्वकर्मा के रूप में मान्यता प्राप्त होती है।
- **कौशल:**
  - कारीगरों को 5-7 दिनों (40 घंटे) तक चलने वाले कौशल सत्यापन और बुनियादी प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है।
  - इच्छुक उम्मीदवारों के लिए 15 दिनों (120 घंटे) का उन्नत प्रशिक्षण उपलब्ध है।
  - प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन 500 रुपये की सहायता राशि मिलती है।
- **टूलकिट प्रोत्साहन:**
  - कारीगरों को टूलकिट के लिए 15,000 रुपये का अनुदान मिलता है।
- **ऋण सहायता:**
  - **संपार्श्विक-मुक्त उद्यम विकास ऋण:**
    - **पहली किस्त:** 18 महीने की पुनर्भुगतान अवधि के साथ 1 लाख रुपये।
    - **दूसरी किस्त**: 30 महीने की पुनर्भुगतान अवधि के साथ 2 लाख रुपये।
  - लाभार्थियों से 5% की रियायती ब्याज दर ली जाती है, जिसमें MoMSME द्वारा 8% की ब्याज छूट सीमा का भुगतान किया जाता है।
  - क्रेडिट गारंटी शुल्क भारत सरकार द्वारा कवर किया जाता है।
- **डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन:**
  - प्रतिमाह अधिकतम 100 लेनदेन तक, कारीगरों को प्रति लेनदेन 1 रुपया मिलता है ।
- **विपणन समर्थन:**
  - नेशनल कमेटी फॉर मार्केटिंग (NCM) गुणवत्ता प्रमाणन, ब्रांडिंग और प्रमोशन, ई-कॉमर्स लिंकेज, व्यापार मेले, विज्ञापन, प्रचार और अन्य मार्केटिंग गतिविधियों जैसी सेवाएं प्रदान करती है।

इन व्यवसायों में शामिल हैं:

- आर्मर्स
- नाई
- टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर
- लोहार
- नाव बनाने वाले
- बढई
- मोची (जूता कारीगर/जूते कारीगर)
- गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक)
- मछली पकड़ने का जाल निर्माता
- माला निर्माता
- सुनार
- हथौड़ा और टूल किट निर्माता
- ताला
- राजमिस्त्री (राजमिस्त्री)
- कुम्हार
- मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाले
- दर्जी
- धोबी

क्रिटिकल रॉ मटेरियल एक्ट

सन्दर्भ: यूरोपीय संसद ने हाल ही में क्रिटिकल रॉ मटेरियल एक्ट को मंजूरी दे दी है।

- **समर्थन**: यूरोपीय संसद (एमईपी) के 515 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया।
- **चीन पर निर्भरता कम करना**: यूरोपीय संघ का लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन पर निर्भरता कम करना है।
- **हरित संक्रमण**: ये खनिज सौर पैनलों और इलेक्ट्रिक कार बैटरी जैसी हरित प्रौद्योगिकियों के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **वर्तमान निर्भरता**: अभी रेयर अर्थ धातुओं के लिए यूरोपीय संघ 99 प्रतिशत चीन पर निर्भर है।
- **घरेलू क्षमताओं के लिए 2030 तक मानक स्थापित करना**: यह अधिनियम रणनीतिक रूप से कच्चे माल मूल्य श्रृंखला और यूरोपीय संघ की आपूर्ति के विविधीकरण के लिए निम्नलिखित मानकों को निर्धारित करता है:
  - निष्कर्षण के लिए यूरोपीय संघ की वार्षिक खपत का कम से कम 10%;
  - प्रसंस्करण के लिए यूरोपीय संघ की वार्षिक खपत का कम से कम 40%;
  - पुनर्चक्रण के लिए यूरोपीय संघ की वार्षिक खपत का कम से कम 15%;
  - यूरोपीय संघ की वार्षिक खपत का 65% से अधिक किसी तीसरे देश से नहीं लेना।
- **सुरक्षा चिंताएं**: एकल स्रोत पर निर्भरता से आपूर्ति में व्यवधान का जोखिम उत्पन्न होता है।
- **विविधीकरण आयात**: कानून का उद्देश्य आयात में विविधता लाना है, इसे किसी एक देश को आपूर्ति के 65 प्रतिशत तक सीमित करना है।
- **उत्पादन में वृद्धि:** 2030 तक, यूरोपीय संघ अपने आवश्यक कच्चे माल का 10 प्रतिशत उत्पादन करने की योजना बना रहा है।
- **सामग्रियों की सूची**: इस कच्चे माल में एल्युमिनियम, कोबाल्ट, लिथियम और रेयर अर्थ तत्व शामिल हैं।
- **संसाधन क्षमता**: यूरोपीय संघ का लक्ष्य 2030 तक अपनी 40 प्रतिशत सामग्रियों को संसाधित करना है।
- **रणनीतिक साझेदारी**: अन्य देशों के साथ सहयोग को, विशेषकर विकासशील क्षेत्रों में, प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- **पुनर्चक्रण फोकस**: द्वितीयक कच्चे माल के पुनर्चक्रण एवं उपयोग पर जोर दिया जा रहा है।
- **पर्यावरणीय चिंता**: कुछ लोग पर्यावरण मानकों को लेकर चिंतित हैं।
- **बाधाओं से बचना**: यह अधिनियम यूक्रेन संघर्ष के दौरान प्राकृतिक गैस व्यवधानों के बाद आपूर्ति जोखिमों को संबोधित करता है।

महत्वपूर्ण खनिज

- महत्वपूर्ण खनिज समसामयिक प्रौद्योगिकियों में व्यापक महत्व के मौलिक घटक हैं, ये संभावित आपूर्ति श्रृंखला रुकावटों के प्रति संवेदनशील हैं, और मोबाइल फोन, कंप्यूटर, बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन के साथ-साथ सौर पैनल और पवन टरबाइन जैसे पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों में अहम भूमिका निभाते हैं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 September, 2023

- **महत्वपूर्ण खनिजों की घोषणा:**
  - **गतिशील प्रक्रिया**: महत्वपूर्ण खनिजों की घोषणा एक गतिशील प्रक्रिया है, जो विकसित होती प्रौद्योगिकियों, बाजार की गतिशीलता और भू-राजनीतिक कारकों के साथ होने वाले परिवर्तनों के अधीन है।
  - **देश-विशिष्ट सूचियाँ**: विभिन्न देश अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के आधार पर महत्वपूर्ण खनिजों की अपनी-अपनी सूची बनाते हैं।
  - **उदाहरण**: अमेरिका में 50 महत्वपूर्ण खनिज हैं, जापान ने 31 की पहचान की है, यूके ने 18 की पहचान की है, यूरोपीय संघ ने 34 की सूची बनाई है, और कनाडा ने अब तक 31 खनिज की पहचान की है।
- **भारत के लिए महत्वपूर्ण खनिज:**
  - **भारतीय चयन**: भारत में खान मंत्रालय के तहत एक विशेषज्ञ समिति ने राष्ट्र के लिए 30 महत्वपूर्ण खनिजों की पहचान की है।
  - **भारत की सूची:** एंटीमनी, बेरिलियम, कोबाल्ट, कॉपर, जर्मेनियम, गैलियम, लिथियम, नाइओबियम, फॉस्फोरस, सिलिकॉन, टैंटलम, टेल्यूरियम, वैनेडियम, जिंक, ज़िरकोनियम, ग्रेफाइट, हेफ़नियम, इंडियम, मोलिब्डेनम, निकेल, पोटाश, रेनियम, स्ट्रोंटियम, सेलेनियम, कैडमियम, टाइटेनियम, टंगस्टन, टिन और प्लैटिनम समूह तत्व (पीजीई)।
  - **उत्कृष्टता का केंद्र**: विशेषज्ञ समिति खान मंत्रालय के भीतर महत्वपूर्ण खनिजों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीईसीएम) की स्थापना की सिफारिश करती है।
  - **सीईसीएम की भूमिका**: सीईसीएम भारत के महत्वपूर्ण खनिजों की सूची को नियमित रूप से अद्यतन करेगा और उनकी सुरक्षित आपूर्ति के लिए एक रणनीति विकसित करेगा।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

यशोभूमि

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के द्वारका में यशोभूमि सम्मेलन केंद्र का उद्घाटन किया।

यशोभूमि के बारे में:

- यशोभूमि दिल्ली के द्वारका में एक प्रमुख सम्मेलन केंद्र है, जो भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो सेंटर का हिस्सा है।
- यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।
- यशोभूमि घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने वाले **'वोकल फॉर लोकल'** अभियान के साथ सम्बद्ध है।
- यह एक आधुनिक सुविधा केंद्र है जिसमें 73,000 वर्ग मीटर में 15 सम्मेलन कक्ष, एक मुख्य सभागार और 13 बैठक कक्ष हैं, जो 11,000 प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम हैं।
- यशोभूमि अपशिष्ट जल उपचार और वर्षा जल संचयन जैसी विशेषताओं के साथ स्थिरता को प्राथमिकता देता जिसके लिए इसे प्लेटिनम प्रमाण पात्र प्राप्त हुआ है।
- यह पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को आकर्षित करता है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को लाभ होता है।

पी-7 हैवी ड्रॉप पैराशूट सिस्टम

पी-7 हेवी ड्रॉप पैराशूट प्रणाली के बारे में:

- पी-7 हेवी ड्रॉप पैराशूट सिस्टम भारी उपकरणों को हवा में गिराने के लिए डीआरडीओ द्वारा विकसित एक सैन्य पैराशूट है।
- इसका उद्देश्य सशस्त्र बलों की पैराड्रॉपिंग क्षमताओं को बढ़ाना है।
- इसे डीआरडीओ (Defence Research and Development Organisation) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।
- अतिविशेष प्रकार के इस पी-07 हैवी ड्रॉप पैराशूट सिस्टम पैराशूट का उपयोग 07 टन भार वर्ग के वाहनों, आर्म्स, एम्युनेशन एवं उपकरणों आदि को दुर्गम क्षेत्रों में ड्रॉप करने के लिए किया जाता है। इस पैराशूट प्रणाली में पांच मेन कैनोपीज, 05 ब्रेक शूट, 02 सहायक शूट और 01 एक्सट्रैक्टर पैराशूट का एक समूह शामिल है।

गति: ड्रॉप गति 260 से 400 किमी प्रति घंटे, लैंडिंग गति 7 मीटर/सेकंड।

पुन: प्रयोज्य क्षमता: 5 बार तक।

संगतता: सी-17, सी-130 और आईएएफ के अन्य मालवाहक विमानों सहित विभिन्न विमानों के साथ एकीकृत।

चेचक

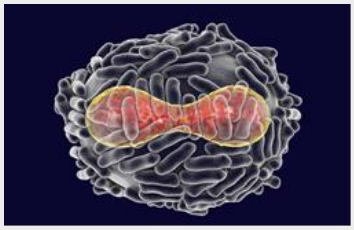

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ने दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र से चेचक के उन्मूलन के बारे में आशा व्यक्त की है।

चेचक के बारे में:

- चेचक वेरियोला वायरस के कारण होने वाला एक अत्यधिक संक्रामक और घातक रोग है।
- **वेरियोला वायरस दो रूपों में आता है:** वेरियोला माइनर और वेरियोला मेजर।
- चेचक वायुजनित संचरण, खांसने, छींकने, सीधे संपर्क, पेय पदार्थ साझा करने, शरीर के तरल पदार्थ, दूषित क्षेत्रों को छूने और अशुद्ध सीरिंज से फैलता है।
- इसकी विशेषता तेज बुखार और फुंसियों के साथ त्वचा पर दाने होना है, जिसमे पप्रायः गंभीर घाव हो जाते हैं।
- चेचक का टीका 18वीं शताब्दी के अंत में एडवर्ड जेनर द्वारा विकसित किया गया था।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 1967 में वैश्विक चेचक उन्मूलन अभियान शुरू किया।
- गहन टीकाकरण और निगरानी प्रयासों के कारण 1980 तक दुनिया भर में चेचक का सफल उन्मूलन हुआ।

गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य

स्थान: यह मध्य प्रदेश में राजस्थान से लगे मंदसौर और नीमच जिलों की सीमा पर स्थित है।

आकार: यह 368.62 किमी² क्षेत्र में फैला है और खथियार-गिर शुष्क पर्णपाती वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

स्थापना: इसे 1974 में अधिसूचित किया गया और 1984 में एक अभयारण्य के रूप में नामित किया गया।

नदी: इस अभयारण्य से चम्बल नदी प्रवाहित होती है, जो इसे दो भागों में विभाजित करती है।

स्थलाकृति: विविध, जिसमें पहाड़ियाँ, पठार और गांधी सागर बांध का जलग्रहण क्षेत्र शामिल है।

महत्वपूर्ण स्थल: इसमें चौरासीगढ़, चतुर्भुजनाथ मंदिर, भड़काजी शैल चित्र, नरसिंहझार हिंगलाजगढ़ किला और तक्षकेश्वर मंदिर जैसे ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक स्थल शामिल हैं।

वनस्पति: यहाँ खैर, सलाई, करधई, धावड़ा, तेंदू और पलाश जैसी वृक्ष प्रजातियों का प्रभुत्व है।

जीव-जंतु: यह चिंकारा, नीलगाय, चित्तीदार हिरण जैसे शाकाहारी और भारतीय तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा और सियार जैसे मांसाहारी जानवरों का घर है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

चन्द्रभूकंप

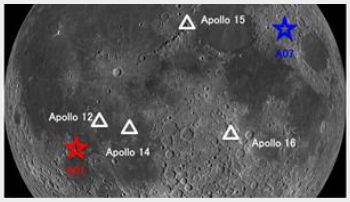

चन्द्रभूकंप के बारे में:

- चन्द्रभूकंप वे भूकंपीय घटनाएँ या झटके हैं जो चंद्रमा की सतह पर घटित होते हैं।
- अत्यधिक तापमान भिन्नता तनाव पैदा करती है जिसके कारण चंद्रमा पर भूकंप आते हैं।
- 250°C तक तापमान का अंतर चंद्रमा पर भूकंपीय गतिविधि में योगदान देता है।
- वायुमंडल की कमी से छोटे उल्कापात भी इतने शक्तिशाली हो जाते हैं कि चंद्रमा की सतह को विकृत कर सकते हैं।
- चंद्रमा पर हजारों क्रेटरों की उपस्थिति इसका प्रमाण हैं।
- 1972 में प्रक्षेपित अपोलो 17 चंद्र लैंडर मॉड्यूल के कारण भी चंद्रमा पर छोटे-मोटे भूकंप आ सकते हैं।

समाचारों में स्थान

बुर्किना फासो

राजधानी: औगाडौगौ **(Ouagadougou)**

हाल ही में, माली, बुर्किना फासो और नाइजर के सैन्य नेताओं ने साहेल के तीन देशों के मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।

स्थान: बुर्किना फ़ासो पश्चिमी अफ्रीका में स्थित एक स्थलरुद्ध देश है।

राजनीतिक विशेषताएँ: इसकी सीमाएँ कई देशों के साथ लगती हैं, जिनमें उत्तर और पश्चिम में माली, उत्तर-पूर्व में नाइजर, दक्षिण-पूर्व में बेनिन और दक्षिण में कोटे डी आइवर, घाना और टोगो शामिल हैं।

भौगोलिक विशेषताएं: बुर्किना फासो की विशेषता सवाना घास के मैदान हैं।

प्रमुख नदियाँ: ब्लैक वोल्टा, रेड वोल्टा और व्हाइट वोल्टा।

सबसे ऊंची चोटी: माउंट टेनाकौरौ(Mount Tenakourou) बुर्किना फासो की सबसे ऊंची चोटी है।

समाचार में व्यक्तित्व

गीता मेहता

गीता मेहता (1943-16 सितंबर 2023)

गीता मेहता एक बहु-प्रतिभाशाली व्यक्तित्व थीं जिन्हें एक पत्रकार, लेखक और फिल्म निर्माता के रूप में जाना जाता है।

योगदान:

साहित्यिक कार्य: मेहता को उनकी साहित्यिक कृतियों, जैसे **"कर्मा कोला" (1979) और "राज" (1989)** के माध्यम से पहचान मिली, जो भारत और इसकी संस्कृति पर अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत करती थीं।

वृत्तचित्र: एक वृत्तचित्र फिल्म निर्माता के रूप में उनके काम, विशेष रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के उनके कवरेज ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी ख्याति स्थापित की।

पद्म श्री को अस्वीकार कर दिया: 2019 में, उन्होंने पुरस्कार प्रदान करने के समय और आम चुनाव के दौरान इसके संभावित प्रभावों के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए पद्म श्री पुरस्कार को अस्वीकार कर दिया था।

POINTS TO PONDER

- **कौन सा/ से राज्य चीनी और गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है?** - महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश
- **प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए भारतीय तटरक्षक पोत का नाम क्या है?** - समुद्र प्रहरी
- **किस शहर ने 8 दशकों की सेवा के बाद डबल डेकर बसों को रिटायर करने का निर्णय लिया है?** - मुंबई
- **प्रथम "दिव्यांगजन महाकुंभ" कहाँ हुआ था?** - वाराणसी
- **हाल ही में किस देश के वैज्ञानिकों ने सुअर के भ्रूण के अंदर मानव गुर्दे विकसित किये हैं?** - चीन